बेकार को साकार करके लाभ कमाये

राष्ट्रीय स्वच्छता अभियान कार्यक्रम के दौरान उपस्थित वैज्ञानिक।

झाँसी। केन्द्रीय कृषिवानिकी अनुसंधान संस्थान, झाँसी में आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत विशेष राष्ट्रीय स्वच्छता अभियान का आयोजन किया गया। इस अभियान का मुख्य विषय ''वेस्ट टू वेल्थ'' था जो कि प्रधानमंत्री की विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार सलाहकार परिषद के नौ राष्ट्रीय मिशनों में से एक है। डॉ. बी.पी. भट्ट, प्रधान वैज्ञानिक, प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन विभाग, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली एवं डॉ. जे. पी. मिश्रा, सहायक महानिदेशक (अन्तर्राष्ट्रीय संबंध), भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली ने विशिष्ट अतिथि के रूप में भाग लिया। डॉ. बी.पी. भट्ट ने ''वेस्ट टू वेल्थ'' पर विशेष व्याख्यान करते हुए कहा कि यह मिशन मूल रूप से कचरे से ऊर्जा पैदा करना, अपशिष्ट पदार्थों के पुनर्चक्रण आदि पर केन्द्रित है। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि प्रत्येक दिन के कूड़े-कचरे को उपयोगी संसाधनों में पुनर्चक्रित करने की आवश्यकता है। डॉ. जे. पी. मिश्रा ने अपने उद्बोधन में कहा कि हमारे भारतवर्ष में कूड़े-कचरे के प्रसंस्करण, उपचार और निपटान संबंधित प्रौद्योगिकियों की आवश्यकता है जिससे कि कचरे का खाद, ऊर्जा, पुनर्नवीनीकरण सामग्री और अन्य मूल्यवर्धित उत्पाद में परिवर्तन हो सके। इस प्रकार से यह अपशिष्ट प्रबंधन संसाधनों के सतत् प्रबंधन में मदद् करेगा। इस कार्यक्रम के दौरान विशिष्ट अतिथियों के साथ संस्थान के केंचुआ खाद इकाई (वर्मीकम्पोस्ट यूनिट) पर संस्थान के सभी वैज्ञानिक, अधिकारी, कर्मचारीगणों, कृषकों एवं छात्र-छात्राओं ने गोबर, पेड़ की सड़ी पत्तियाँ, घास-फूस आदि से बनायी गयी केंचुआ खाद बनाने की विधि का अवलोकन किया। कार्यक्रम के समापन में संस्थान के निदेशक डॉ. ए. अरूणाचलम ने बताया कि आज के युग में कचरे का प्रबंधन अति-आवश्यक है, विश्व बैंक की रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2025 तक भारत का प्रतिदिन अपशिष्ट उत्पादन 3,77,000 टन तक पहुँच जाएगा, इसलिए अपशिष्ट प्रबंधन की दक्षता में सुधार करना समय की आवश्यकता है। उन्होंने इस बात पर भी बल दिया कि भविष्य में हमें अपने संस्थान को कार्बन न्यूट्रल इको-सिस्टम के रूप में बनाने की जरूरत है। कार्यक्रम की शुरुआत आई.सी.ए.आर. कुलगीत से तथा समापन राष्ट्रगान से हुआ। इस कार्यक्रम के दौरान संस्थान के सभी वैज्ञानिक, अधिकारी, कर्मचारीगण, कृषक एवं छात्र-छात्रायें उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन डॉ. प्रियंका सिंह ने किया एवं डॉ. ए. के. हाण्डा ने सभी का आभार व्यक्त किया।

कानपुर, बुधवार 13 अक्टूबर, 2021
** नगर संस्करण पृष्ठ 12 मूल्य 2.50 रुपया
हिन्दी जगत में सर्वाधिक लोकप्रिय
वाराणसी । गोरखपुर । प्रयागराज
कानपुर (झांसी) । लखनऊ
आगरा । बरेली । पटना
रांची (धनबाद संस्करण)
जमशेदपुर
online Edition
www.ajhindidaily.com
आज

तापमान
अधिकतम 34.8 डि.से.
न्यूनतम 22.0 डि.से.
आर्द्रता- 92-48%

10 जय शाह
मेंटर के लिए धोनी नहीं लेंगे कोई फीस

अजय देवगन 12
खुशनसीब हूं जो यह मौका मिला

बेकार को साकार करके लाभ कमायें :डॉ .भट्ट

(आज समाचार सेवा)

झांसी, १२ अक्टूबर। केन्द्रीय कृषिवानिकी अनुसंधान संस्थान, झांसी में आज आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत विशेष राष्ट्रीय स्वच्छता अभियान का आयोजन किया गया। इस अभियान का मुख्य विषय ''वेस्ट टू वेल्थ'' था जो कि प्रधानमंत्री की विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार सलाहकार परिषद के नौ राष्ट्रीय मिशनों में से एक है। डॉ. बी.पी. भट्ट, प्रधान वैज्ञानिक, प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन विभाग, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली एवं डॉ. जे. पी. मिश्रा, सहायक महानिदेशक (अन्तर्राष्ट्रीय संबंध), भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली ने विशिष्ट अतिथि के रूप में भाग लिया।

डॉ. बी.पी. भट्ट ने 'वेस्ट टू वेल्थ' पर विशेष व्याख्यान करते हुए कहा कि यह मिशन मूल रूप से कचरे से ऊर्जा पैदा करना, अपशिष्ट पदार्थों के पुनर्चक्रण आदि पर केन्द्रित है। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि प्रत्येक दिन के कूड़े-कचरे को उपयोगी संसाधनों में पुनर्चक्रित करने की आवश्यकता है।

डॉ. जे. पी. मिश्रा ने अपने उद्बोधन में कहा कि हमारे भारतवर्ष में कूड़े-कचरे के प्रसंस्करण, उपचार और निपटान संबंधित प्रौद्योगिकियों की आवश्यकता है जिससे कि कचरे का खाद, ऊर्जा, पुनर्नवीनीकरण सामग्री और अन्य मूल्यवर्धित उत्पाद में परिवर्तन हो सके। इस प्रकार से यह अपशिष्ट प्रबंधन संसाधनों के सतत् प्रबंधन में मदद् करेगा।

इस कार्यक्रम के दौरान विशिष्ट अतिथियों के साथ संस्थान के केंचुआ खाद इकाई (वर्मीकम्पोस्ट यूनिट) पर संस्थान के सभी वैज्ञानिक, अधिकारी, कर्मचारीगणों, कृषकों एवं छात्र-छात्राओं ने गोबर, पेड़ की सड़ी पत्तियाँ, घास-फूस आदि से बनायी गयी केंचुआ खाद बनाने की विधि का अवलोकन किया।

कार्यक्रम के समापन में संस्थान के निदेशक डॉ. ए. अरूणाचलम ने बताया कि आज के युग में कचरे का प्रबंधन अति-आवश्यक है, विश्व बैंक की रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2025 तक भारत का प्रतिदिन अपशिष्ट उत्पादन 3,77,000 टन तक पहुँच जाएगा, इसलिए अपशिष्ट प्रबंधन की दक्षता में सुधार करना समय की आवश्यकता है। उन्होंने इस बात पर भी बल दिया कि भविष्य में हमें अपने संस्थान को कार्बन न्यूट्रल इको-सिस्टम के रूप में बनाने की जरूरत है।

कार्यक्रम की शुरुआत आई.सी.ए.आर. कुलगीत से तथा समापन राष्ट्रगान से हुआ। इस कार्यक्रम के दौरान संस्थान के सभी वैज्ञानिक, अधिकारी, कर्मचारीगण, कृषक एवं छात्र-छात्रायें उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन डॉ. प्रियंका सिंह एवं धन्यवाद ज्ञापन डॉ. ए. के. हाण्डा ने किया।

कार्यक्रम में मौजूद अतिथि व अन्य। छाया-आज

रंजिश में अधेड़ की पिटाई

अतर्रा (बांदा) १२ अक्टूबर। थाना क्षेत्र के नंदना गांव निवासी रामकिशोर (५५) रिश्तेदारी में निमंत्रण करने बसेरही गांव गया था। मंगलवार की सुबह लौटने के दौरान नगनेधी गांव निवासी सोनू वर्मा व राजू यादव ने दरवाजे के पास उसे पकड़कर पीटकर घायल कर दिया। ग्रामीणों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने मेडिकल परीक्षण कराया। इस संबंध में प्रभारी थानाध्यक्ष राजेश मिश्रा ने बताया कि रुपये छीनने की बात गलत है। पुराने विवाद के चलते मारपीट हुई है। पीड़ित की तहरीर पर मारपीट व मुकदमा दर्ज कराया गया है।